



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 413]
No. 413]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 1, 2006/भाद्र 10, 1928
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 1, 2006/BHADRA 10, 1928

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2006
सं. 91/2006-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 529(अ).— केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, एतद्वारा ऐसे माल, जब इसे विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.10 के अनुसार केन्द्रीभूत उत्पाद स्कीम के तहत जारी किए गए एक शुल्क क्रेडिट पावती पत्र (जिसका इसके पश्चात् उक्त पावती पत्र के रूप में उल्लेख किया गया है) के प्रति भारत में आयात किया जाए तो इसे निम्नलिखित से छूट प्राप्त होगी, -

- (क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क से ; और
- (ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से ;

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, नामतः :-

- (1) यह कि इस अधिसूचना के तहत लाभ केवल विदेश व्यापार नीति संबंधी प्रक्रिया पुस्तिका के भाग I के परिशिष्ट 37-घ में अधिसूचित उत्पादों के निर्यातों के प्रति जारी किए गए क्रेडिट पावती पत्र के संबंध में ही उपलब्ध होंगे ;

- (2) यह कि उक्त पावती पत्र माल पर उद्ग्रहणीय शुल्कों को डेबिट करने हेतु निकासी के समय उपयुक्त सीमाशुल्क अधिकारी के पास प्रस्तुत किया जाए, परन्तु इस छूट के लिए ;

बशर्ते कि शुल्क से छूट उस स्थिति में लागू नहीं होगी यदि माल पर उद्ग्रहणीय शुल्कों हेतु नामे खाते डालने के लिए उक्त पावती पत्र में अपर्याप्त क्रेडिट उपलब्ध हो, परन्तु इस छूट के लिए;

- (3) यह कि उक्त पावती पत्र तथा इसके प्रति आयातित माल निर्बाध रूप से अंतरणीय होगा ;

- (4) यह कि उक्त पावती पत्र के तहत आयात मुम्बई, सिक्किम, कोलकाता, कोचीन, मगदल्ला, काकीनाड़ा, कांडला, मंगलौर, मारमागोवा, चैन्नई, न्हावा-शेवा, पारादीप, पीपावव, सिक्का, तूतीकोरिन, विशाखापट्टनम, दाहेज, मुद्रा, नागापट्टिनम, ओखा, जामनगर और मुल्दारका और पोरबन्दर स्थित समुद्री पत्तनों के माध्यम से अथवा अहमदाबाद, बंगलौर, भुवनेश्वर, मुम्बई, कोलकाता, कोयम्बटूर, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, चैन्नई, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम, वाराणसी, नागपुर, कोचीन और राजासांसी (अमृतसर) और लखनऊ (अमौसी) स्थित किसी भी विमानपत्तन के माध्यम से अथवा आगरा, बंगलौर, कोयम्बटूर, दिल्ली, फरीदाबाद, गोवाहाटी, गुन्टूर, हैदराबाद, जयपुर, जालन्धर, कानपुर, लुधियाना, मुरादाबाद, नागपुर, पिम्परी (पुणे), पीतमपुर (इन्दौर), सूरत, तिरुपुर, वाराणसी, नासिक, रूद्रपुर (नैनीताल), दिघी (पुणे), बड़ोदरा, दौलताबाद (वंजारवाड़ी और मालीवाड़ा), वालुज (औरंगाबाद), अनापार्थी (आन्ध्र प्रदेश), सेलम, मालनपुर, सिंगनालुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, अहमदाबाद, भिवाड़ी, मदुरई, भीलवाड़ा, पांडिचेरी, गङ्गीहर्सारू, भटिण्डा, दम्पर (डेर बासी), छेहराता (अमृतसर), करूर, मिराज, रिवाड़ी, भुसावल, जमशेदपुर, सूरजपुर और दादरी स्थित किसी अंतरदेशीय कंटेपर डिपो के माध्यम से या राणाघाट, सिंहबाद, रक्सौल, जोगबानी, नौतनवा (सौनोली), पैटरापोल और महादीपुर, नेपालगंज रोड, डावकी, अगरतला, सुतारखंडी और अमृतसर रेल कार्गो स्थित किसी भूमि सीमाशुल्क स्टेशनों के माध्यम से अथवा उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 76-क के तहत जारी की गई अधिसूचना में विनिर्दिष्ट विशेष आर्थिक जोनों से किया जाता है ;

- (5) यह कि जहां आयातक उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के तहत उद्ग्रहणीय अतिरिक्त सीमाशुल्क से छूट का दावा नहीं करता है, वहां यह समझा जाएगा कि उसने उक्त अतिरिक्त सीमाशुल्क के संगणना के प्रयोजनार्थ उक्त शुल्क से छूट का लाभ नहीं लिया है ।

- (6) यह कि आयातक प्रतिअदायगी अथवा उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के तहत उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के सेनवेट क्रेडिट का उक्त पावती पत्र में डेबिट की गई राशि के प्रति लाभ लेने का हकदार होगा ।

2. विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.10.2.2 में विनिर्दिष्ट निर्यातों की निम्नलिखित श्रेणियों का इस स्कीम के तहत निर्यात निष्पादन अथवा हक की संगणना हेतु नहीं गिना जाएगा :

- क. विदेश व्यापार नीति के पैरा 2.35 के तहत शामिल किए गए आयातित माल का निर्यात अथवा जलयानों के माध्यम से किए गए निर्यात ;
- ख. एसईजेड स्कीम एवं शतप्रतिशत निर्यातानुमुखी इकाई स्कीम के अंतर्गत कार्य कर रही अथवा उनके द्वारा विनिर्मित उत्पादों और डीटीए यूनिटों के जरिए निर्यात किया गया हो ;
- ग. निर्यात माने गए ।

स्पष्टीकरण :

इस अधिसूचना में , -

- (i) “माल” का अर्थ किसी निविष्टि, माल और पूंजीगत माल सहित, जिन्हें विदेश व्यापार नीति के तहत निर्बाध रूप से आयात किया जा सकता है ;
- (ii) “पूंजीगत माल” का अर्थ विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 9.12 में निर्दिष्ट उसी अर्थ से है, -
- (iii) “विदेश व्यापार नीति” का अर्थ विदेश व्यापार नीति 2004-2009 से अभिप्रेत है, जिसे भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना संख्या 1(आरई-2006)/2004-2009, तारीख 7 अप्रैल, 2006 के तहत प्रकाशित किया गया है ।

[फा. सं. 605/36/2006-प्रतिअदायगी(भाग)]

जगमोहन सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September, 2006

No. 91/2006-CUSTOMS

G.S.R. 529(E).— In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods when imported into India against a duty credit scrip issued under the Focus Product Scheme in accordance with paragraph 3.10 of the Foreign Trade Policy (hereinafter referred to as the said scrip) from,—

- (a) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act 1975 (51 of 1975); and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the following conditions, namely :-

- (1) that the benefit under this notification shall be available only in respect of duty credit scrip issued against exports of the products notified in Appendix 37-D of the Hand Book of Procedure, Vol.I of the Foreign Trade Policy;

- (2) that the said scrip is produced before the proper officer of customs at the time of clearance for debit of the duties leviable on the goods, but for this exemption:

Provided that exemption from duty shall not be admissible if there is insufficient credit in the said scrip for debiting the duties leviable on the goods, but for this exemption;

- (3) that the said scrip and goods imported against it shall be freely transferable;
- (4) that the imports against the said certificate are undertaken through sea ports at Mumbai, Sikkim, Kolkata, Cochin, Magdalla, Kakinada, Kandla, Mangalore, Marmagao, Chennai, Nhava Sheva, Paradeep, Pipavav, Sikka, Tuticorin, Visakhapatnam, Dahej, Mundhra, Nagapattinam, Okha, Bedi including Rozi-Jamnagar, Muldwaka, Porbander, Dharamtar and Vadinar or through any of the airports at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Mumbai, Kolkata, Coimbatore, Delhi, Hyderabad, Jaipur, Chennai, Srinagar, Trivandrum, Varanasi, Nagpur, Cochin, Rajasansi (Amritsar) and Lucknow (Amausi) or through any of the Inland Container Depots at Agra, Bangalore, Coimbatore, Delhi, Faridabad, Gauhati, Guntur, Hyderabad, Jaipur, Jalandhar, Kanpur, Ludhiana, Moradabad, Nagpur, Pimpri (Pune), Pitampur (Indore), Surat, Tirupur, Varanasi, Nasik, Rudrapur (Nainital), Dighi (Pune), Vadodara, Daulatabad (Wanjarwadi and Maliwada), Waluj (Aurangabad), Anaparthi (Andhra Pradesh), Salem, Malanpur, Singanalur, Jodhpur, Kota, Udaipur, Ahmedabad, Bhiwadi, Madurai, Bhilwara, Pondicherry, Garhi Harsaru, Bhatinda, Dappar (Dera Bassi), Chheharata (Amritsar), Karur, Miraj, Rewari, Bhusawal, Jamshedpur, Surajpur, Dadri, Tuticorin, Kundli, Bhadohi, Raipur, Mandideep (District Raisen), Durgapur (Export Promotion Industrial Park) and Babarpur or through the Land Customs Station at Ranaghat, Singhabad, Raxaul, Jogbani, Nautanva (Sonauli), Petrapole, Mahadipur, Nepalganj Road, Dawki, Agartala, Sutarkhandi, Amritsar Rail Cargo and Attari Road or Special Economic Zones as specified in the notification issued under section 76A of the said Customs Act;
- (5) that where the importer does not claim exemption from the additional duty of customs leviable under section 3 of the said Customs Tariff Act, he shall be deemed not to have availed the exemption from the said duty for the purpose of calculation of the said additional duty of customs.
- (6) that the importer shall be entitled to avail of the drawback or CENVAT credit of additional duty leviable under section 3 of the said Customs Tariff Act against the amount debited in the said scrip.

2. The following categories of exports specified in paragraph 3.10.2.2 of the Foreign Trade Policy shall not be counted for calculation of export performance or for computation of entitlement under the scheme :

- a. export of imported goods covered under Para 2.35 of the Foreign Trade Policy or exports made through transshipment;
- b. export turnover of units operating under SEZ Scheme and 100% EOU Scheme or products manufactured by them and exported through DTA units;
- c. deemed exports.

Explanation. -

In this notification -

- (i) "goods" means any inputs, or goods including capital goods, which are freely importable under the Foreign Trade Policy;
- (ii) "capital goods" has the same meaning as assigned to it in paragraph 9.12 of the Foreign Trade Policy;
- (iii) "Foreign Trade Policy " means the Foreign Trade Policy 2004-2009, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No.1(RE-2006)/2004-2009, dated the 7th April, 2006.

[F. No. 605/36/2006-DBK (Pt.)]

JAGMOHAN SINGH, Under Secy.